* U A - 0 0 0 4 *

UA-0004

First Year B. A. Examination

March/April – 2012

Hindi Compulsory

Time : Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **F. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **HINDI COMPULSORY**

☛ Subject Code No. : **0 0 0 4** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **NIL**

Seat No. :

Student's Signature

(२) सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है।

(३) कुल **सात** प्रश्न है।

१ 'शबरी' खण्डकाव्य के आधार पर शबरी का चरित्रांकन कीजिए। १०

अथवा

एक सफल खण्डकाव्य के रूप में 'शबरी' का मूल्यांकन कीजिए।

२ (अ) टिप्पणी लिखिए ५

ऋषि मतंग।

अथवा

परीक्षा सर्ग।

(ब) ससंदर्भ व्याख्या लिखिए ५

''प्रभु के श्रीमुख से प्रवचन सुन
यह भवसागर तर जाऊँगी
पापी हूँ, गुरु की कृपा हुई
तो हरि–गुण गा तर जाऊँगी।''

अथवा

''अपने को श्रेष्ठ समझना
यह दम्भ नहीं तो क्या है?
जिसका जीवन है सात्विक
वह आर्य नहीं तो क्या है?''

૩ निम्नांकित पंक्ति का भावपल्लवन कीजिए ૧૦

'हे आसान देव बन जाना, बड़ा कठिन
बनना इन्सान।'

अथवा

'श्रम ही पूजा है।'

૪ परिच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए ૧૦

વિશ્વ સૌંદર્ય જગતની બે મોટી સ્પર્ધાઓ પૈકીની મિસ. વર્લ્ડનું સૌપ્રથમવાર ભારતમાં આયોજન થયું. એ. બી. સી. એલ. દ્વારા આયોજિત આ સ્પર્ધામાં વિશ્વની ૮૮ દેશોની સુંદરીઓએ ભાગ લીધો. પૂરા આયોજનમાં કુલ ૧૨ કરોડ રૂપિયાના ખર્ચમાંથી ૭ કરોડ રૂપિયા અમિતાભ બચ્ચન કોર્પોરેશને ખર્ચ કર્યા. મિસ વર્લ્ડ સ્પર્ધામાં ગોદરેજ ગ્રુપે, મુખ્ય પ્રયોજક તરીકેની ભૂમિકા ભજવી. બેંગ્લોર ઉપરાંત દિલ્હી, જયપુર, આગ્રા અને મદ્રાસ જેવાં શહેરોમાં આમંત્રિત મહેમાનોની રહેવાની-બેસવાની વ્યવસ્થા કરવામાં આવી.

૫ परिच्छेद का संक्षेपण करके उचित शीर्षक लिखिए ૧૦

जीवन में साहित्य की उपयोगिता अनिवार्य है। साहित्य मानवजीवन को वाणी देने के साथ समाज का पथ–प्रदर्शन भी करता है। उपयोगिता की दृष्टि से देखें तो साहित्य के अध्ययन से अनेक लाभ है। साहित्य मानवजीवन के अतीत का ज्ञान कराता है, वर्तमान का यथार्थ चित्रण करता है और भविष्य के निर्माण की प्रेरणा देता है। प्रत्येक आनेवाला समाज और युग इनसे प्रेरणा लेता है। साहित्य ही हमें मनुष्य की कोटि में बनाए रखता है। किसी समाज का साहित्य क्षीण होने लगे तो वह समाज भी रसातल को चला जाता है। साहित्य समाज के साथ कार्य करते हुए भी समाज के लिए प्रकाश के स्तंभ का कार्य करता है। साहित्य का आलोक पूंज सूर्य की भाँति समाज के समस्त विकारों का हरण करता है तभी वह सत्–साहित्य कहलाने का अधिकारी होता है।

૬ पत्र लिखिए : ૧૦

बाहरवीं कक्षा में प्रथम वर्ग में उत्तीर्ण होने पर छोटे भाई अभिनव को बधाई पत्र लिखिए।

अथवा

चरित्र गठन का महत्व समजाते हुए माता की ओर से पुत्री को पत्र लिखिए।

૭ सूचनानुसार लिखिए

(૧) किन्हीं **दो** मुहावरें का अर्थ लिखिए : ૨

(૧) चूडियाँ पहनना।
(૨) नौ दो ग्यारह होना।
(૩) श्रीगणेश करना।

(२) किन्हीं **दो** समश्रुत शब्द के अर्थ लिखिए : २

(१) दिन–दीन

(२) द्विप–द्वीप

(३) परुष–पुरुष

(३) किन्हीं **दो** शब्द के विलोम शब्द लिखिए : २

(१) अस्त

(२) क्रय

(३) कृतज्ञ

(३) किन्हीं **चार** वाक्यों को शुद्ध कर फिरसे लिखिए : ४

(१) वे पुस्तक पढता है।

(२) घी में कौन गिरा।

(३) मैं उन दिनों में गरीब था।

(४) वृक्षों पर पक्षी बैठा था।

(५) कई रेल्वे के कर्मचारी हडताल पर है।